मस्त है यह सानिया भी-3

“काल-गर्ल के बारे में सुन कर सानिया का चेहरा लाल हो गया। वो चुप-चाप खाना खाने लगी। फ़िर हम टीवी देखने लगे, वो एक फ़िल्म लगा कर बैठ गई। मुझे लगा कि शायद काल-गर्ल वाली बात उसे अच्छी नहीं लगी। पर मैंने उसे अब नहीं छेड़ा, सोचा देखें अब वो खुद कैसे मुझे मौका देती […] …”

Story By: (sanjchou80)
Posted: Tuesday, December 18th, 2007
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: मस्त है यह सानिया भी-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मस्त है यह सानिया भी-3

काल-गर्ल के बारे में सुन कर सानिया का चेहरा लाल हो गया।

वो चुप-चाप खाना खाने लगी। फ़िर हम टीवी देखने लगे, वो एक फ़िल्म लगा कर बैठ गई। मुझे लगा कि शायद काल-गर्ल वाली बात उसे अच्छी नहीं लगी। पर मैंने उसे अब नहीं छेड़ा, सोचा देखें अब वो खुद कैसे मुझे मौका देती है।

अगली सुबह फ़िर सूरी का फ़ोन आया। मुझे लगा कि यह शायद ज्यादा हो रहा है, सो मैंने सूरी को मना कर दिया। सानिया फ़ोन पर मेरी जो बात हो रही थी, वो सुन रही थी। मेरे फ़ोन काटने पर उसने सब कुछ ठीक से जानना चाहा।

एक बार फ़िर उसकी इच्छा देख मुझे लगा कि बात फ़िर पटरी पर आने लगी है। मैं चाहता था कि कैसे भी अब आगे का रास्ता खुले जिससे मैं सानिया के मक्खन से बदन का मजा लूँ। पाँच दिन बीत चुके थे और दो-तीन दिन में उसके अम्मी-अब्बू आ जाने वाले थे।

मैंने गंभीर बनने की ऐक्टिंग करते हुए कहा- बुरा मत मानना सानिया ! पर तुम्हें पता है कि मैं अकेला हूँ, इसलिए अपने जिस्म की जरूरत के लिए एक दलाल सेट किया हुआ है, वो हर महीने 5 और 25 तारीख को मुझे फ़ोन पर पूछता है। मेरा जैसा मूड हो मैं उसको बता देता हूँ, वो लड़की भेज देता है। अक्सर जैसी फ़र्माईश की जाती है, वो इन्तज़ाम कर देता है।

वो बोली- प्लीज चाचू, आज बुला लीजिए ना। मैंने कभी काल-गर्ल नहीं देखी।

मैंने कहा- पर मैं तो तुम्हारे बारे में सोच कर मना कर रहा था, तुम क्या समझोगी मुझे अगर मैं घर पर लड़की बुला लूँ तब ? ना ! यह ठीक नहीं होगा, तुम्हारे रहते !

पर अब वो जिद कर बैठी। शनिवार का दिन था, बोली- आज कॉलेज नहीं जाउंगी, अगर आपने हाँ नहीं कहा।

करीब एक घण्टे बाद मैंने कह दिया- ठीक है, पर…"

वो तुरन्त मेरा फ़ोन लाई, काल-बैक किया और स्पीकर ऑन कर के सामने बैठ गई।

मैं कह रहा था- हाँ सूरी, भेज देना आज 8 बजे, कोई ठीक-ठाक, घरेलू भेजना, पर नई भेजना, रचना या पल्लवी नहीं।

सूरी बोला- नई वाली सही है सर, रेट थोड़ा ज्यादा लेगी, पर मस्त माल है। आप उसके पहले दस में ही होंगे। मेरे से पहली बार बुक हो रही है। इसी साल +2 किया है और यहाँ पढ़ाई के लिए इस शहर में आई तो हॉस्टल से उसको रोजी मेरे पास लाई। दिखने में टॉप क्लास चीज है सर ! एकदम मस्त सर ! मैंने कभी गलत सप्लाई आपको किया आज तक। 34-23-36 है सर, एक दम टाईट।

मैंने रेट पूछा, तो उसने 6000 कहा, फ़िर 5000 पर बात पक्की हुई।अचानक मुझे थोड़ा मस्ती का मूड हुआ, मैंने कहा- सूरी, कहीं वो छुई-मुई तो नहीं, जरा उससे बात करवा सकोगे पहले ?

वो बोला- नहीं सर ! घरेलू है, पर मस्त है, खूब मस्ती करती है, एक बार मैंने भी चखा है उसको, तभी तो आपको कह रहा हूँ। उसको मैं आपका नम्बर दे देता हूँ।

करीब दस मिनट बाद मेरा फ़ोन बजा, तो मैंने स्पीकर ऑन कर के हैलो किया।

उधर से वही लड़की बोली- जी, मेरा नाम रागिनी है, सूरी साहब ने मुझे आपसे बात करने को कहा है।

मैंने गंभीर आवाज में कहा- हाँ रागिनी, आज रात तुम्हारी मेरे साथ ही बुकिंग है। असल में मै तुमसे एक बात जानना चाहता हूँ, तुम तो नई हो। सूरी जो पैसे देगा तुमको वो तो ठीक है, पर क्या तुम्हें ऐतराज होगा, अगर मेरे साथ कोई और भी हो तो। मैं और पैसे दूंगा।

थोड़ी चुप्पी के बाद बोली- दो के साथ कभी किया नहीं सर।

मेरे मन में शैतान घुसा था कि आज जब सानिया साली खुद मुझे रन्डी बुलाने को कह रही है, तब आज उसको दिखाया जाए कि रन्डी चोदी कैसे जाती है।

मैं योजना बना रहा था, कहा- अरे नहीं, वैसा नहीं है, करना तुम्हें मेरे साथ हीं होगा। असल में एक लड़की मेरे साथ होगी, वो देखेगी सब जो तुम करोगी।

मैं यह सब बोलते हुए सानिया की तरफ़ देख रहा था। उसके चेहरे पे सुकून था, जैसे मैंने उसके मन की बात की हो।

रागिनी ने अब थोड़ा सहज होकर पूछा- कोई फ़ोटो-वोटो नहीं होगा ना ?

मैंने कहा- बिल्कुल नहीं”

वो राजी हो गई, फ़िर पूछने लगी- सर, आपको कोई खास ड्रेस पसंद हो तो ?

मैंने कहा-“नहीं, जो तुम्हें सही लगे। और कुछ याद करके पूछा- रागिनी, बुरा मत मानना, पर तुम्हारी योनि साफ़ है या बाल हैं ?

वो बोली- जी बाल हैं, करीब महीने भर पहले साफ़ किया था, फ़िर अभी तक काम चल रहा है। सूरी सर ने भी कहा कि जब तक कोई आपत्ति ना करे मैं ऐसे ही रहने दूँ। आप बोलेंगे तो साफ़ करके आऊँगी।

मैंने खुश होकर कहा- नहीं-नहीं, तुम जैसी हो, वैसी आना। जरुरत हुई तो यहाँ कर लेंगे।

और फ़ोन बंद कर दिया।

इसके तुरंत बाद जमील का फ़ोन आया कि उन्हें अभी वहाँ दस दिन और रुकना होगा, जब तक ऑपरेशन नहीं हो जाता, सानिया के नाना का।

मेरे लिए यह अच्छा शगुन था। मेरे लिए रागिनी भाग्यदायिनी साबित हुई थी।

मैं देख रहा था कि सानिया भी यह सब सुन खुश हो रही है। सानिया सब चुप-चाप सुन रही थी।

मैंने उसकी जाँघ पर हाथ फ़ेरा और कहा- अब तो खुश हो सानिया !तुम्हारे मन की ही हो गई।

वो बिना बोले बस मुस्कुरा रही थी।

मैंने कहा- आने दो रागिनी को, आज उसकी लैंडिंग स्ट्रीप स्टाईल में बना कर बताउँगा। वो भी नई है, थोड़ा सीखेगी मेरे एक्स्पीरियेंस से।

सानिया कॉलेज़ चली गई। मैरी आकर घर का सारा काम कर गई। जाते समय मैंने मैरी को शाम को आने को मना कर दिया।

जब सानिया कॉलेज़ से आई तो बहुत खुश दिख रही थी। मैंने सानिया को बता दिया कि मैंने मैरी को शाम को आने के लिए मना कर दिया था।

फ़िर शाम को वो बोली- अब खाना बना लेते हैं, दो घण्टे में तो वो आ जायेगी।

सानिया किचन में गई, मैं टीवी में व्यस्त हो गया। साढ़े सात तक हमने डिनर कर लिया और बैठ कर रागिनी का इंतजार करने लगे।

8:10 पर काल-बेल बजी, तो सानिया तुरंत कूद कर दरवाजे तक पहुँची और उसे खोला।

मैंने देखा कि एक छरहरे बदन की थोड़ी सांवली लगभग सानिया की लम्बाई की ही लड़की सामने थी।

सानिया ने उसका नाम पूछा और भीतर ले आई।

मैंने रागिनी को बैठने को कहा तो वो सामने सोफ़े पर बैठ गई। सानिया अभी भी खड़े होकर उसको घूर ही रही थी।

रागिनी ने चटख पीले रंग का सूती सलवार-सूट पहना हुआ था, जो उसके बदन पर सही फ़िट था। लौन्डिया 18 की ही लग रही थी, 34-26-36 ! मेरी अनुभवी नजरों ने उसका माप ले लिया।

मैं अपनी किस्मत पर खुद हैरान था। मेरे पास दो-दो जवान लौन्डियाँ थी और दोनो बीस बरस से भी कम। रागिनी तो सानिया से भी उमर में छोटी थी, सानिया ने दो साल पहले इंटर किया था जबकि रागिनी ने इसी साल किया। हाँ, उसका बदन थोड़ा सानिया से ज्यादा भरा था। पर फ़र्क सिर्फ़ उन्नीस-बीस का ही था।

मैंने रागिनी से कहा- यह सानिया है, यही हमारे साथ में रहेगी कमरे में और सब देखेगी।

रागिनी ने अब भरपूर नजर से सानिया को घूरा ऊपर से नीचे तक।

मैंने पूछा- डिनर करके आई हो या करोगी ?

उसने कहा- नहीं, जिस दिन बुकिंग होती है, रात में नहीं खाती।

रागिनी ने बताया कि वो सिर्फ़ शनिवार को ही सूरी से बुकिंग कराती है, और यह सब थोड़े मजे और थोड़े पैसे के लिए करती है।

बोली- इजी मनी, यू नो।

मैंने उसको 5000 दे दिये और कहा कि ये जो सूरी से बात थी, और फ़िर 2000 उसको देकर कहा- कि ये उसका अलग से हैं मेरी बात मानने के लिए।

वो संतुष्ट थी, बोली- एक बारऽऽ सर !मैं बाथरूम जाना चाहूँगी।

मैंने कहा- ठीक है !थोड़ा साफ़ कर लेना साबुन से, आगे-पीछे सब !

और मैंने उसको आँख मारी ताकि पहली बार की झिझक कम हो। मुझे उसके चेहरे से लग रहा था कि वो सही में नई थी। मैंने सानिया को उसे पानी पिलाने को कहा और वो पानी लेने चली गई। पानी पीकर रागिनी ने अपना दुपट्टा सोफ़े पर डाला और सानिया से पूछा- बाथरूम… ?

करीब दस मिनट बाद वो आई और कहा- मैं तैयार हूँ, किस कमरे में ऽऽ ?

हम सब मेरे बेडरूम में आ गए, तब रागिनी ने पूछा- मैं खुद कपड़े उतारूँ या आप दोनों में से कोई ?

मैं सानिया की तरफ़ देख रहा था कि उसका क्या मिजाज है। उसे लगा कि मैं शायद उसको कह रहा हूँ कि वो कपड़े उतारे, इसलिए वो रागिनी की तरफ़ बढ़ गई।

रागिनी ने उसकी तरफ़ अपनी पीठ कर दी। जब सानिया उसके कुर्ते की जीप नीचे कर रही

थी, रागिनी ने सानिया से हल्के से पूछा- ये आपके पापा है ?

कहानी जारी रहेगी, कई भागों में समाप्य !

sanjchou80@yahoo.com

Other stories you may be interested in

भाभी की सहेली ने चुदाई के लिए ब्लैकमेल किया-2

मेरी सेक्स कहानी के पिछले भाग भाभी की सहेली ने चुदाई के लिए ब्लैकमेल किया-1 में आपने पढ़ा कि एक दिन मैं भाभी की गांड मार रहा था तो उनकी सहेली आ गयी, उसने हमारी चुदाई देख ली और विडियो […]
Full Story >>>

मेरी सहेली और मैं अमेरिका जाकर चुदी-2

मेरी हिंदी पोर्न स्टोरी के पहले भाग मेरी सहेली और मैं अमेरिका जाकर चुदी-1 में आपने पढ़ा कि कैसे मैं अपनी सहेली के साथ अमेरिका जाकर फकिंग होल या ग्लोरी होल में चुदी. अब आगे : मगर वो लंड अभी भी […]
Full Story >>>

कामवाली आंटी के साथ पहली और यादगार चुदाई

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम मनमीत सिंह है. मैं रोहतक हरियाणा से हूँ. अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है. कोई गलती हो जाए तो माफ़ कर देना. यह कहानी आज से सात साल पहले की है, जब मैं दूसरे शहर […]
Full Story >>>

जुलाई 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको जुलाई 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं… कॉलेज टीचर को दिखाया जवानी का जलवा मैं जैस्मिन आज मैं आप सभी के साथ अपनी प्यासी […]
Full Story >>>

तीन पत्ती गुलाब-16

प्रिय पाठको और पाठिकाओ ! आइए अब लिंग दर्शन और चूसन के इस सोपान की अंतिम आहुति डालते हैं… आज सुबह-सुबह मधुर ने नया फरमान जारी कर दिया। आज प्रेम आश्रम में हरियाली तीज महोत्सव मनाया जाने वाला है तो हमारी […]
Full Story >>>